बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ दिनांक -22-- 02- 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कारक के बारे में अध्ययन करेंगे ।

कारक के भेद

कारक के निम्नलिखित आठ भेद हैं

कारक	**विभक्ति चिह्न**	**लक्षण**
1. कर्ता कारक	ने	क्रिया करने वाला
2. कर्म कारक	को	जिस पर क्रिया पड़े।
3. करण कारक	से (के द्वारा)	जिस साधन से क्रिया की जाए।

4. संप्रदान कारक	को, के लिए	जिसके लिए क्रिया हो।
5. अपादान कारक	से (पृथकता का भाव)	जहाँ अलक होने का भाव हो
6. संबंध कारक	का, की, के,/रा, री, रे	जिससे संज्ञा का अन्य पदों से संबंध ज्ञात हो
7. अधिकरण कारक	में, पर	क्रिया होने का आधार या स्थान
8. संबोधन कारक	हे ! अरे !	जिससे संबोधित किया जाए।

ऊपर लिखे आठों कारकों में से केवल छह कारक ही वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम का संबंध उस वाक्य की क्रिया बताते हैं। संबंध कारक तथा संबोधक कारक यह संबंध नहीं बताते । संबंध कारक वाक्य में प्रयुक्त दो संज्ञाओं का संबंध बताता है; जैसे–

(i) ये कोमल के खिलौने हैं।
(ii) वह अंशु का घर है।

1. कर्ता कारक – कर्ता का अर्थ है-**काम करने वाला।**
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं; जैसे
ओजस्व ने पाठ पढ़ा।
पिता जी ने खाना खाया।